



नंदिग्राम टाइम्स



Thursday 4th, December 2025 | वर्ष - 9 | अंक 218 | पृष्ठ 04 | मूल्य - 2 रूपए | www.nandigramtimes.com

संवाददाता चाहिए

नंदिग्राम टाइम्स,
दैनिक समाचार पत्र, नांदेड को
महाराष्ट्र और नांदेड जिले के
प्रत्येक तालुका और शहर से
संवाददाता की आवश्यकता है।
यदि आप समर्पित, उत्साही और
अवसर की तलाश में उभरते या
अनुभवी पत्रकार हैं, तो हमसे
तुरंत व्हाट्सएप पर संपर्क करें।
आपकी कलम ही हमारी ताकत
है!

संपर्क करें
+919921100075
email id-
ntinfodesk@gmail.com



लाल किला ब्लास्ट केस में बड़ा अपडेट, मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी की NIA हिरासत 7 दिन बढ़ी, कई और राज खुलेंगे!

NEWS AGENCY

नई दिल्ली: पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली लाल किला ब्लास्ट केस के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) हिरासत सात दिन और बढ़ा दी। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के काजीगुंड के रहने वाले वानी को एनआईए ने 17 नवंबर को श्रीनगर में गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप है कि उसने 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट से पहले ड्रोन को मॉडिफाई करके हमले करने और रॉकेट बनाने की कोशिश में तकनीकी मदद दी थी।

दिल्ली में हुआ ब्लास्ट में 13 लोग मारे गए थे। अब तक, एनआईए ने इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से पकड़े गए एक व्हाइट-कॉलर टेरर मॉड्यूल से जुड़े हैं।



लाल किला ब्लास्ट केस में बड़ा अपडेट

इससे एक दिन पहले मंगलवार को पटियाला हाउस स्थित स्पेशल एनआईए कोर्ट ने मामले के मुख्य आरोपी आमिर रशीद अली की कस्टडी सात दिन और बढ़ाने की मंजूरी दे दी थी। अदालत का यह फैसला उस वक्त आया, जब आरोपी को उसकी 10 दिन की एनआईए रिमांड पूरी होने पर कोर्ट में पेश किया था। आमिर रशीद अली को 16 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। एनआईए ने उसकी गिरफ्तारी के बाद अदालत से हिरासत बढ़ाने की मांग की थी ताकि उससे ब्लास्ट से जुड़े अहम सुराग और साजिश की परतें खोली जा सकें। अदालत ने पहले 10 दिन की रिमांड मंजूर की थी, जिसके दौरान एजेंसी ने उससे लंबे समय तक पूछताछ की।

प्रदर्शन करने वाले छात्रों की जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित

उधर पटियाला हाउस कोर्ट ने इंडिया गेट पर हुए हालिया प्रदर्शन से जुड़े सात छात्रों की जमानत अर्जी पर फैसला 4 दिसंबर तक सुरक्षित रख लिया है। यह प्रदर्शन 23 नवंबर को इंडिया गेट के बाहर दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के विरोध में हुआ था। प्रदर्शन करने वालों में ज्यादातर छात्र भगत सिंह छात्र एकता मंच (बीएससीईएम) और हिमरवंद नामक एक पर्यावरण शोध समूह से जुड़े थे।



सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला — तलाकशुदा मुस्लिम महिला को दहेज़ लौटाने का अधिकार

नई दिल्ली — कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए स्पष्ट किया कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला को शादी के समय पिता द्वारा दहेज़ (नकद, सोना व अन्य उपहार) स्वरूप दी गई राशि — वापस पाने का अधिकार है।
मामले की पृष्ठभूमि: इस फैसले की संबंध Rousanara Begum के मामले से है, जिनके पिता ने शादी के समय उनके पूर्व पति को ₹7 लाख नकद व 30 ग्राम सोने के आभूषण दिए थे, जिसे निकाह रजिस्टर में दर्ज कराया गया था।
बाद में तलाक के बाद महिला ने उन उपहारों की वापसी की मांग की, लेकिन Calcutta High Court ने असंगत बयानों का हवाला देते हुए उनका दावा खारिज कर दिया था।
सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए कहा कि शादी के समय दिया गया दहेज़ महिला की गरिमा, सम्मान व भविष्य-सुरक्षा से जुड़ा है, इसलिए तलाक के बाद उसे लौटाया जाना चाहिए।
अदालत ने आदेश दिया कि दहेज़ (नकद व सोना) सीधे महिला के बैंक खाते में जमा किया जाए। यदि पति आदेश का पालन नहीं करता है, तो उस पर 9% वार्षिक ब्याज लगेगा और उसे अदालत में हलफनामा देना होगा।
कानूनी और सामाजिक महत्व: अदालत ने इस निर्णय में यह तय किया कि Muslim Women (Protection of Rights on Divorce) Act, 1986 के तहत मुस्लिम महिलाएं सिर्फ गुजारा भत्ता ही नहीं, बल्कि शादी के समय दी गई दहेज़ (दहेज़/उपहार) भी वापस मांग सकती हैं, जिससे उनके आर्थिक और सामाजिक अधिकारों की रक्षा होती है।
यह फैसला महिलाओं की गरिमा, समानता व वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

निकाय चुनाव टालना लोकतंत्र के लिए खतरा: CM देवेंद्र फडणवीस

बर्फ में बदल गया वासुकि ताल, बर्फ में बदल गया वासुकि ताल,



छत्रपती संभाजीनगर / महाराष्ट्र

राज्य में 22 नगर परिषदों और अनेक नगर-पंचायतों के चुनाव अचानक टाल दिए जाने के बाद, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने चुनाव आयोग (State Election Commission - SEC) के फैसले को "अत्यंत गलत व अवैधानिक" करार दिया है। फडणवीस ने कहा कि लोकतंत्र के आधार — चुनाव — को last-minute विवादों या एकल याचिकाओं के आधार पर टालना, संविधान व नियमों के विरोध में है। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसले से न केवल उम्मीदवारों का समय व मेहनत व्यर्थ होती है, बल्कि वोटर्स के अधिकार व विश्वास पर भी सवाल उठते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि आयोग को चुनाव टालने का

अधिकार मिला, तो भविष्य में हर बार कहीं से याचिका दाखिल होते ही चुनाव स्थगित हो सकते हैं — और इसका precedent खतरनाक होगा। फडणवीस ने स्पष्ट किया कि सरकार इस फैसले पर लिखित शिकायत (representation) देगी।

उधर, आयोग की ओर से कहा गया है कि कुछ स्थानों पर नाम-अंकन या कोर्ट में पेंडिंग याचिकाओं के कारण चुनाव टालने पड़े — पर फडणवीस ने इस वजह को भी पर्याप्त नहीं माना। पारंपरिक रूप से दिसंबर 2 या 3 को होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव अब 20 दिसंबर तक स्थगित कर दिए गए हैं, जिससे चुनावी माहौल व प्रशासनिक तैयारियों पर प्रश्न उठने लगे हैं।

सक्षम का सपना अब वंचित पूरा करेगा: अंजली आंबेडकर...

शेख जहुर दुधडकर

नांदेड, महाराष्ट्र: सक्षम ताटे प्रकरण ने नांदेड ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। अंतरजातीय प्रेम संबंध के विरोध में 20 वर्षीय सक्षम ताटे की कथित रूप से हत्या कर दी गई, जिसके बाद प्रदेशभर में रोष व्यक्त किया जा रहा है। इसी क्रम में वंचित बहुजन आघाड़ी की नेता अंजली आंबेडकर ने मंगलवार को ताटे परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की।

परिवार से चर्चा के दौरान अंजली आंबेडकर ने सक्षम की मित्र आचल मामीडवार से भी विस्तृत बातचीत की। उन्होंने बताया कि सक्षम का सपना था



सक्षम का सपना सँभालेगी वंचित — अंजली आंबेडकर ने आचल की शिक्षा जिम्मेदारी ली

कि आचल आगे पढ़े और एक बड़ी अधिकारी बने। इसी भावना का सम्मान करते हुए अंजली आंबेडकर ने घोषणा की कि आचल की पूरी शिक्षा-जिम्मेदारी वंचित बहुजन आघाड़ी उठाएगी।

आचल का हाथ थामकर

अंजलीताई ने कहा—“तुम अपना शिक्षण पूरा करोगी... यह सक्षम से किया हुआ वचन है। जहां भी पढ़ाई के लिए रहना होगा, उसकी संपूर्ण व्यवस्था वंचित करेगी।”

उन्होंने आचल को ढांडस देत हुए भरोसा दिलाया कि

उसकी सुरक्षा, सुविधा और शिक्षा में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। करीब आधे घंटे चली इस मुलाकात में अंजली आंबेडकर ने ताटे परिवार की बात ध्यान से सुनी और कहा कि सूर्यवंशी प्रकरण की तरह ही ताटे प्रकरण में भी

वंचित बहुजन आघाड़ी पूरी निष्ठा से न्याय की लड़ाई लड़ेगी।

उन्होंने मांग की कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में प्रशासन तत्परता दिखाए।

सक्षम ताटे की मौत ने महाराष्ट्र में जातीय हिंसा, सामाजिक स्वीकार्यता और युवा सुरक्षा पर फिर से गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं वंचित की यह पहल पीड़ित परिवार के लिए भावनात्मक सहारा और आचल के भविष्य के लिए नई उम्मीद मानी जा रही है।



बहुजनों के साथ विश्वासघात, सरकार के पास कोई... जाति जनगणना में देरी पर राहुल गांधी का सरकार पर तीखा अटैक

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने लिखित प्रश्न का सरकार की ओर से दिए गए उत्तर का हवाला देते हुए दावा किया कि मोदी सरकार के पास जाति जनगणना को लेकर कोई ठोस रूपरेखा और योजना नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह देश के बहुजनों के

साथ खुला विश्वासघात है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'संसद में मैंने सरकार से जाति जनगणना पर सवाल पूछा था। उनका जवाब चौकाने वाला है। न ठोस रूपरेखा, न समयबद्ध योजना, न संसद में चर्चा और

न ही जनता से संवाद।' उन्होंने दावा किया, 'दूसरे राज्यों की सफल जाति जनगणनाओं की रणनीति से सीखने की कोई इच्छा भी नहीं है। मोदी सरकार की यह जाति जनगणना देश के बहुजनों के साथ खुला विश्वासघात है।'



**संपादकीय | जनता का मंडेट किस दिशा में?

संपादकीय | शेख जहुर दुधडकर

हिमायतनगर नगर पंचायत चुनाव के बाद नई उम्मीदें**

2 दिसंबर 2025 को हुए हिमायतनगर नगर पंचायत चुनाव ने एक बार फिर यह साबित किया कि लोकतंत्र में जनता की भूमिका सर्वोपरि है। चुनावी प्रचार के दौरान माहौल जितना गर्म था, मतदान का दिन उतना ही शांत, अनुशासित और लोकतांत्रिक रहा। यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि मतदाताओं ने उत्साह के साथ रिकॉर्ड संख्या में भागीदारी निभाई और अपनी पसंद का भविष्य निर्धारित करने की ओर एक मजबूत कदम बढ़ाया।

अब जब मतदान संपन्न हो चुका है और परिणाम 21 दिसंबर को घोषित किए जाने हैं, तब पूरा क्षेत्र एक प्रतीक्षा और उत्सुकता की स्थिति में है। यह इंतज़ार सिर्फ विजेता के लिए नहीं है, बल्कि इस बात के लिए भी है कि नयी चुनी जाने वाली परिषद क्षेत्र के विकास को किस राह पर ले जाएगी।

चुनावी मैदान में इस बार मुद्दे साफ थे —

- सड़कें, पानी और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएँ
- वार्डों में बढ़ती जनसंख्या के हिसाब से आधारभूत ढाँचे की ज़रूरत
- युवाओं के लिए अवसर
- महिलाओं की सुरक्षा व भागीदारी
- और सबसे अहम — पारदर्शी प्रशासन

प्रचार के दौरान सभी दलों ने इन मुद्दों पर अपने-अपने वादे पेश किए, पर अंतिम निर्णय मतदाता ने अपने अनुभव, उम्मीद और स्थानीय नेतृत्व की छवि के आधार पर दिया।

मतदान के बाद वातावरण में जो चर्चा चल रही है, उससे साफ है कि लोग परिवर्तन और स्थिरता—दोनों की तलाश में हैं। कई वार्डों में मुकाबला बेहद कड़ा रहा है। यही कारण है कि नतीजे आने से पहले किसी भी प्रकार की भविष्यवाणी करना उचित नहीं। स्थानीय चुनावों में व्यक्तिगत समीकरण अक्सर बड़ी राजनीतिक लहरों को भी पीछे छोड़ देते हैं, इसलिए 21 दिसंबर का दिन तय करेगा कि मतदाताओं ने किस दिशा में भरोसा जताया है।

चुनाव भले ही खत्म हो गए हों, लेकिन असली परीक्षा अब शुरू होती है—जनता के विश्वास की। चुने गए प्रतिनिधियों के लिए यह अवसर होगा कि वे अभियान के दौरान किए गए वादों को व्यवहारिक योजनाओं में बदलें। नगर पंचायत जैसे स्थानीय निकायों में जनता की अपेक्षाएँ प्रतिदिन सामने आती हैं—कचरा उठाने से लेकर नाले साफ़ कराने तक, स्ट्रीटलाइट से लेकर पानी की सप्लाई तक, और शिकायतों के त्वरित समाधान तक। इसलिए जवाबदेही का महत्व और बढ़ जाता है।

साथ ही, यह भी ज़रूरी है कि सभी विजयी और पराजित उम्मीदवार चुनावी मतभेदों को किनारे रखकर क्षेत्रीय विकास के लिए मिलकर काम करने की भावना अपनाएँ। लोकतंत्र में परिपक्वता इसी में है कि प्रतियोगिता समाप्त होते ही सहयोग की शुरुआत हो।

मतदाताओं ने अपना कर्तव्य निभा दिया है। अब बारी आने वाली परिषद की है कि वह हिमायतनगर को विकास, पारदर्शिता और सुशासन की नई दिशा दे। यदि परिणाम के बाद चुने गए जनप्रतिनिधि जनता के बीच वैसे ही सक्रिय, उपलब्ध और जवाबदेह बने रहते हैं जैसे वे प्रचार में नजर आए, तो क्षेत्र के लिए यह चुनाव बेहद सकारात्मक साबित हो सकता है।

21 दिसंबर को केवल विजेता का नाम सामने नहीं आएगा, बल्कि यह भी स्पष्ट होगा कि जनता किस दिशा में भविष्य देखना चाहती है। उम्मीद है कि यह फैसला हिमायतनगर के लिए नई ऊर्जा और नयी संभावनाओं के द्वार खोलेगा।

● ● ● ● ● ●



नई दिल्ली: भारत में लगभग दो-तिहाई घरेलू यात्रियों को सफर कराने वाली इंडिगो एयरलाइन इस समय भारी परेशानी से गुजर रही है। एयरलाइन के बहुत सारे विमान लेट हो रहे हैं और कुछ तो रद्द भी हो रहे हैं। इसकी मुख्य वजह है क्रू की भारी कमी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार (2 दिसंबर) को इंडिगो की सिर्फ 35% उड़ानें ही समय पर उड़ पाईं। यह एयरलाइन रोजाना 2200 से ज्यादा उड़ानें संचालित करती है। बुधवार को तो दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बंगलुरु जैसे कई बड़े एयरपोर्ट पर दोपहर तक ही लगभग 200 उड़ानें रद्द कर दी गई थीं।

IndiGo Airline: कभी लेट तो कभी कैंसिल... यह किस संकट से गुजर रही इंडिगो? क्या नए नियम बन गए एयरलाइन के लिए आफत

यह क्रू की कमी तब से शुरू हुई है जब से पिछले महीने नए 'फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन' (FDTL) नियम लागू हुए हैं। इन नियमों के तहत क्रू के काम के घंटों को ज्यादा मानवीय बनाया गया है, यानी उन्हें आराम ज्यादा मिलेगा। लेकिन इसी वजह से अब पायलटों की कमी हो गई है। एयरपोर्ट पर मौजूद परेशान अधिकारी बता रहे हैं कि इंडिगो की देरी और रद्द उड़ानों से यात्रियों को बहुत दिक्कत हो रही है।

हालात हुए बेकाबू अधिकारियों ने बताया कि कुछ

उड़ानों के लिए तो केबिन क्रू ही नहीं मिल पा रहे थे, इसलिए उन्हें रद्द करना पड़ा। एयरलाइन क्रू को अलग-अलग जगहों पर भेज रही है ताकि उड़ानें चल सकें, लेकिन कमी इतनी ज्यादा है कि हालात बेकाबू हो गए हैं। किसी ने सोचा भी नहीं था कि इंडिगो, जिसकी पहचान 'समय पर उड़ने वाली' (OTP) है, उसकी स्थिति इतनी खराब हो जाएगी कि वह अलायंस एयर और स्पाइसजेट से भी पीछे रह जाएगी। उड़ानें 7-8 घंटे तक लेट हो रही हैं।

असुविधा के लिए जताया खेद इंडिगो के एक प्रवक्ता ने इस बारे में कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमारी कई उड़ानें कुछ

ज़रूरी कारणों से लेट हुई हैं और कुछ रद्द भी हुई हैं। इन कारणों में टेक्नोलॉजी की दिक्कतें, एयरपोर्ट पर भीड़ और ऑपरेशन से जुड़ी ज़रूरतें शामिल हैं। हमारी टीम पूरी कोशिश कर रही है कि जल्द से जल्द सब कुछ सामान्य हो जाए। हम प्रभावित यात्रियों को दूसरी उड़ान का विकल्प या रिफंड भी दे रहे हैं। प्रवक्ता ने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया। एयरलाइन ने यात्रियों से यह भी कहा है कि एयरपोर्ट आने से पहले वे अपनी उड़ान की ताजा स्थिति ज़रूर चेक कर लें, ताकि असुविधा कम हो।

● ● ● ● ● ●

Pan Masala MRP: पान मसाले को लेकर सरकार ने लिया यह बड़ा फैसला, 1 फरवरी से लागू होंगे नए नियम, जानें पूरी डिटेल

● NEWS AGENCY

नई दिल्ली: अगर आप पान मसाला खाते हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद ज़रूरी है। सरकार ने पान मसाला के पैकेटों पर बड़ा फैसला लिया है। अब से चाहे पान मसाला का पैकेट कितना भी छोटा या बड़ा हो, उस पर एमआरपी (MRP) यानी खुदरा बिक्री मूल्य और लीगल मेट्रोलाजी रूलर्स, 2011 के तहत ज़रूरी सभी जानकारीयें छापनी होंगी। यह नियम 1 फरवरी 2026 से लागू हो जाएगा।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलाजी (Packaged Commodities) सेंकंड (अमेंडमेंट) रूलर्स, 2025 को अधिसूचित किया है। उपभोक्ता मंत्रालय ने बताया कि ये बदले हुए नियम 1 फरवरी 2026 से लागू होंगे। तब से सभी पान मसाला बनाने वालों, पैक करने वालों और आयात करने वालों को इन नियमों का पूरी तरह से पालन करना होगा।



पान मसाले को लेकर सरकार ने लिया यह बड़ा फैसला

अभी तक क्या था नियम पहले छोटे पैकेट, जैसे 10 ग्राम या उससे कम के पैकेट, पर एमआरपी छापना ज़रूरी नहीं था। लेकिन अब इन छोटे पैकेटों पर भी एमआरपी छापना अनिवार्य कर

दिया गया है। इसके अलावा, पान मसाला के सभी पैकेटों पर लीगल मेट्रोलाजी रूलर्स, 2011 के तहत मांगी गई हर जानकारी दिखानी होगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक, नियम 26(a) के तहत जो पुरानी छूट

थी, जिसमें छोटे पान मसाला पैकेटों को कुछ जानकारीयें नहीं दिखानी पड़ती थीं, उसे अब हटा दिया गया है। इसकी जगह पान मसाला के लिए एक नया खास नियम जोड़ा गया है।

अब एमआरपी क्यों ज़रूरी?

सभी पैकेटों पर एमआरपी छापना इसलिए ज़रूरी किया गया है ताकि पान मसाला पर लगने वाले जीएसटी (GST) को सही तरीके से लागू किया जा सके।

यह जीएसटी एमआरपी पर ही आधारित होता है। इससे जीएसटी काउंसिल के फैसलों को लागू करना आसान होगा। सभी तरह के पैकेटों, चाहे वे कितने भी छोटे क्यों न हों, उन पर टैक्स की सही गणना और वसूली हो सकेगी।

ग्राहकों को क्या फायदा?

मंत्रालय का कहना है कि इस बदलाव से ग्राहकों को बहुत फायदा होगा। अब हर साइज के पैकेट पर कीमत की जानकारी साफ-साफ मिलेगी। इससे छोटे पैकेटों पर गलत या भ्रामक कीमतें दिखाने की गुंजाइश खत्म हो जाएगी। ग्राहक सोच-समझकर खरीदारी कर पाएंगे।



नई दिल्ली: क्रिप्टोकॉरेसी मार्केट के लिए पिछले 24 घंटे बड़े जबरदस्त गुजरे हैं। मार्केट कैप में जहां करीब 1.50% की तेजी आई है तो वहीं लगभग सभी बड़ी क्रिप्टो की वैल्यू भी काफी बढ़ गई है।

Pi Network Crypto: पाई नेटवर्क की क्यों बहने लगी उल्टी धारा? आखिर क्या हुआ इस क्रिप्टो के साथ जो बिटकॉइन से पिछड़ गई

इसके उलट पाई नेटवर्क के लिए पिछला हफ्ता नुकसान भरा रहा है। यह तब है जब उससे पहले इसमें जबरदस्त तेजी आई थी। इसने बिटकॉइन को भी पीछे छोड़ दिया था। लेकिन अब धारा उल्टी बह रही है।

पिछले 24 घंटे में बिटकॉइन में 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। बुधवार रात 9:30 बजे एक बिटकॉइन करीब 1.60% उछलकर 92,430 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। बात अगर पिछले 7 दिन की करें तो इसने निवेशकों को 6 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। हाल ही में बिटकॉइन की वैल्यू करीब 85 हजार डॉलर पर आ गई थी। वहीं दूसरी ओर अब पाई नेटवर्क बिटकॉइन के मुकाबले लगातार पिछड़ रही है।

कितनी आई पाई नेटवर्क में गिरावट? पाई नेटवर्क में नवंबर के आखिरी हफ्ते में जिस तरह से तेजी आई थी, दिसंबर में कहानी बिल्कुल पलट गई है। पिछले 24 घंटे में पाई नेटवर्क क्रिप्टो 2.50% से ज्यादा गिर गई है। इस गिरावट के साथ बुधवार रात 9:30 बजे यह 0.2306 डॉलर (करीब 20.79 रुपये) पर कारोबार कर रही थी। पिछले एक हफ्ते की बात करें तो इसमें 8% से ज्यादा गिरावट आई है।

पाई नेटवर्क इस साल के शुरुआत में लॉन्च हुई थी। उस समय इसकी कीमत करीब 3 डॉलर तक पहुंच गई थी। इसे भविष्य की बिटकॉइन कहा जाता है। हाल ही में इसमें आई तेजी ने फिर से निवेशकों का ध्यान खींचा था। लेकिन पिछले एक हफ्ते की गिरावट ने निवेशकों को फिर से मायूस

कर दिया है।

क्यों गिरी पाई नेटवर्क की वैल्यू? पाई नेटवर्क के ज्यादातर उतार-चढ़ाव इकोसिस्टम में हुए बदलावों, रेगुलेटरी अप्रूवल की अफवाहों या कभी-कभी सिर्फ अटकलों से प्रभावित हुए हैं। इसलिए इस क्रिप्टो ने फिर से दिखाया है कि यह बाकी बाज़ार से अलग चलती है। पाई के आने वाले प्रदर्शन के लिए शायद सबसे चिंताजनक बात यह है कि अब इसके हर दिन औसतन 6.2 मिलियन से ज्यादा टोकन अनलॉक होंगे। यह अक्टूबर के मुकाबले काफी ज्यादा है, जब हर दिन औसतन 4.5 मिलियन टोकन अनलॉक हो रहे थे।

2027: 6 मिनट 23 सेकेंड का सदी का सूर्यग्रहण — धरती बदली नजर

2027: 6 मिनट 23 सेकेंड का सदी का सूर्यग्रहण

2 अगस्त 2027 को एक ऐतिहासिक पूर्ण सूर्यग्रहण (total solar

eclipse) होगा, जिसे इस सदी का सबसे लंबा माना जा रहा है। इस दौरान अंधेरा करीब 6 मिनट 23 सेकेंड तक रहेगा, जो खगोल विज्ञान और आम जनता दोनों के लिए अद्वितीय अनुभव होगा।

ग्रहण की path of totality दक्षिणी यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और मध्य-पूर्व से होकर गुजरेगी, जिसमें मिस्र, लीबिया, सऊदी अरब और यमन प्रमुख देशों में शामिल हैं। भारत के पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों जैसे राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में यह ग्रहण आंशिक रूप से दिखाई देगा।

सूर्यग्रहण के दौरान सूर्य का कोरोना दिखाई देगा, तापमान में गिरावट होगी और दिन का समय रात जैसा प्रतीत होगा। वैज्ञानिक और खगोलप्रेमी इस दुर्लभ घटना का अनुभव करने के लिए तैयार हैं। यह ग्रहण प्राकृतिक विज्ञान और खगोलीय घटनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है।

WORLD NEWS | पूर्वोत्तर भारत पर करेंगे कब्जा?

पूर्वोत्तर भारत पर करेंगे कब्जा, एकजुट हों विरोधी ताकतें... अब बांग्लादेशी सेना के कर्नल ने उगला जहर, जमात से कनेक्शन

● नवभारत टाइम्स रिपोर्ट के अनुसार

ढाका: बांग्लादेश के एक और सैन्य अधिकारी ने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला है। जमात समर्थक रिटायर्ड कर्नल अब्दुल हक ने पूर्वोत्तर भारत पर कब्जा करने के लिए भारत विरोधी ताकतों को एकजुट करने की मांग की। उनकी यह मांग मोहम्मद यूनस के उस बयान से मेल खाती है, जिसमें उन्होंने परोक्ष रूप से चीन को इस इलाके पर कब्जे के लिए आमंत्रित किया था। इतना ही नहीं, यूनस ने इस इलाके को बांग्लादेश का हिस्सा दिखाने वाले मानचित्र की एक तस्वीर भी पाकिस्तानी सेना के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी को सार्वजनिक तौर पर गिफ्ट की थी।

कर्नल अब्दुल हक कौन हैं? बांग्लादेशी सेना के रिटायर्ड कर्नल अब्दुल हक जमात-ए-इस्लामी समर्थक माने जाते हैं। रिटायरमेंट के बाद वह पाकिस्तान समर्थक इस्लाम की राजनीति करते



हैं। उन्होंने इससे पहले भी भारत विरोधी बयानबाजियां की हैं। कर्नल अब्दुल हक सितंबर 2023 में खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) में शामिल हुए थे।

बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी की राजनीतिक विचारधारा लगभग समान ही

है। दोनों भारत विरोध की राजनीति करते हैं। कर्नल अब्दुल हक भी उसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए भारत विरोधी बयान दे रहे हैं।

बांग्लादेश के पूर्व जनरल ने भी उगला जहर इससे पहले बांग्लादेशी सेना के एक पूर्व जनरल अब्दुलाहिल अमान

आजमी ने कहा था कि बांग्लादेश में तब तक पूरी तरह से शांति नहीं आएगी जब तक कि भारत कई टुकड़ों में बंट नहीं जाता है। अब्दुलाहिल अमान आजमी के पिता भारत विरोधी जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख रह चुके हैं। उन्हें 1971 के आजादी युद्ध के दौरान हिंदुओं और स्वतंत्रता समर्थक बंगालियों

के नरसंहार के लिए दोषी करार दिया गया था। माना जा रहा है कि उसी विचारधारा के कारण अमान आजमी ने भारत के खिलाफ जहरीली जुबान का इस्तेमाल किया है।

आजमी ने क्या कहा?

आजमी ने दावा किया, 'शेख मुजीबुर रहमान सरकार के दौरान परबाल्या चातोग्राम जन समहाती समिति का गठन किया गया था। इसकी हथियारबंद शाखा शांति वाहिनी है। भारत ने इसको शरण दी और हथियार तथा ट्रेनिंग दिया।

इसकी वजह से बांग्लादेश के पहाड़ी इलाके में 1975 से लेकर 1996 के बीच खून खराबा हुआ।' उन्होंने चटगांव हिल शांति समझौते की आलोचना की जिस पर 1997 में हस्ताक्षर हुआ था। यह समझौता बांग्लादेश सरकार और परबाल्या चातोग्राम जन समहाती समिति के बीच हुआ था। ● ● ● ● ●



भारत-रूस संबंध... 78 साल पुरानी दोस्ती, जानें एक दूसरे पर आंखें मूंद भरोसा क्यों करते हैं मोदी-पुतिन

भारत-रूस संबंध... 78 साल पुरानी दोस्ती, जानें एक दूसरे पर आंखें मूंद भरोसा क्यों करते हैं मोदी-पुतिन

मॉस्को/नई दिल्ली: भारत और रूस की दोस्ती आज की नहीं, बल्कि वर्षों पुरानी है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध खास नहीं थे, लेकिन भारत के लिए रूस हमेशा से ही उसका सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार रहा है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से रूस हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा है। भारत और रूस की दशकों पुरानी दोस्ती में एक नया आयाम जुड़ने जा रहा है। भारत और रूस ने 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। तब से लेकर आज तक भारत किसी भी संकट में होता है तो रूस एक मित्र राष्ट्र होने के नाते मजबूती के साथ खड़ा रहा है।

1965 के युद्ध में रूस ने की थी मध्यस्थता

1965 में भारत और पाकिस्तान युद्ध के दौरान रूस (सोवियत संघ) ने मध्यस्थता का काम किया। 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान रूस ने भारत का समर्थन किया। इतना ही नहीं, इस दौरान दोनों देशों ने मैत्री और सहयोग संधि की। परमाणु के क्षेत्र में भी रूस

भारत का पुराना भागीदार है। मार्च 2010 में राष्ट्रपति पुतिन ने भारत दौर पर परमाणु ऊर्जा के उपयोग के क्षेत्र में एक अहम सुरक्षा समझौते पर मुहर लगाई थी।

अंतरिक्ष में भी भारत-रूस साझेदार

भारत और रूस ने स्पेस के क्षेत्र में भी अहम भागीदारी निभाई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी दोनों देशों की मजबूत साझेदारी देखी गई। भारत और रूस के बीच दोस्ती का इतिहास काफी पुराना है। खासतौर से रक्षा के मामले में रूस भारत के साथ दशकों से खड़ा है। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की शुरुआत 1950-60 के दशक में हुई थी।

रक्षा क्षेत्र में रूस पर निर्भर है भारत

भारत एक तरफ चीन और दूसरी तरफ पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से मुकाबला कर रहा है। दो छोर से भारत के लिए लगातार चुनौतियां खड़ी रहती हैं, हालांकि, रूस एक

मित्र राष्ट्र होने के नाते भारत के साथ खड़ा है। रूस रक्षा और रणनीतिक सहयोग के जरिए भारत का साथ दे रहा है। भारत की डिफेंस ताकत को बढ़ाने में रूस की मिग-21 से लेकर एस-400 मिसाइल, सुखोई जेट और टी-90 टैंक जैसे तमाम प्रमुख हथियार और डिफेंस सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई है। भारत रूस के सहयोग से मेड इन इंडिया हथियार भी बना रहा है।

भारत ने भी रूस से निभाई दोस्ती

भारत और रूस ने हाल ही में अपनी दोस्ती की प्रतिबद्धता स्पष्ट की, जब अमेरिका ने दोनों देशों के बीच तेल व्यापार खत्म करने के लिए मनमाना टेरिफ लगाकर दबाव बनाने की कोशिश की। हालांकि, भारी दबाव के बावजूद भी भारत ने अमेरिका के सामने घुटने नहीं टेके और साफ शब्दों में कहा कि वह किससे तेल खरीदेगा और किससे नहीं, यह कोई अन्य देश तय नहीं करेगा। ● ● ● ● ●

WORLD NEWS | ट्रंप ने किया कुछ ऐसा कि गदगद हो गया ताइवान

ट्रंप ने किया कुछ ऐसा कि गदगद हो गया ताइवान, अमेरिका की जमकर की तारीफ, भड़के चीन ने कहा- यह अस्वीकार्य

मुंबई | बीजिंग: ताइवान के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करने के इरादे से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक खास कदम उठाया, जिससे चीन नाराज है। औपचारिक कूटनीतिक रिश्ते न होने के बावजूद नजदीकी को लेकर विरोध भी जता दिया गया है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि बीजिंग ताइवान को अपना आइलैंड मानता है और किसी बाहरी हस्तक्षेप को बर्दाश्त करने से इनकार करता है। इसके बावजूद अमेरिका लगातार ताइवान की मदद करते रहता है। इसे लेकर दोनों देशों में कई बार तनावित हो चुकी है।

ताइवान एशोरेंस इम्प्लिमेंटेशन एक्ट क्या है



बर्फ में बदल गया वासुकि ताल नए साल की शुरुआत बर्फबारी

मंगलवार को भी कुछ ऐसा ही हुआ और बीजिंग ने बुधवार को इस पर नाराजगी जाहिर कर दी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 दिसंबर को एक बिल पर दस्तखत किए, जिससे ताइवान की अमेरिका के साथ रिश्तों को मजबूती मिलेगी।

यह 'ताइवान एशोरेंस इम्प्लिमेंटेशन एक्ट' है, जो अमेरिकी विदेश विभाग को ताइवान के साथ अमेरिकी जुड़ाव के दिशानिर्देशों की समीक्षा करने के लिए बाध्य करता है। हर पांच साल में यह समीक्षा होगी।

चीन ने बताया अस्वीकार्य हस्तक्षेप

ताइवान ने इसकी सराहना की है, जबकि चीन ने इसे 'अस्वीकार्य हस्तक्षेप' बताकर कड़ी आपत्ति जताई है। पेच ये है कि चीन को ये रास नहीं आ रहा क्योंकि वो ताइवान पर अपना हक समझता है। 2021 में (ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के तहत) तब के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने अमेरिकी अधिकारियों और उनके ताइवानी समकक्षों के बीच संपर्क पर लगी रोक हटा दी थी। ये 1979 में वाशिंगटन द्वारा बीजिंग को मान्यता देने के बाद लगाई गई थी।

असीम मुनीर: फील्ड मार्शल से पाक CDF तक

Reporter Name

इस्लामाबाद — पाकिस्तान में असीम मुनीर का संपूर्ण सफर बेहद तगड़ा रहा है। 2025 में उन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी, और अब हाल ही में संवैधानिक संशोधन के जरिए उन्हें नया पद Chief of Defence Forces (CDF) प्रदान किया गया है। इस संशोधन के बाद मुनीर न सिर्फ थल सेना, बल्कि नौसेना और वायु सेना तीनों का नियंत्रण संभालेंगे — यानी अब वे पूरी पाकिस्तानी रक्षा व्यवस्था के शीर्ष पर होंगे। इस बदलाव से उनकी हैसियत राष्ट्रपति से भी ऊपर मानी जा रही है।



विशेष रूप से, इस नए कानून के अंतर्गत मुनीर को आजीवन कानूनी सुरक्षा (लाइफ टाइम इम्युनिटी) दी गई है, जिससे उन पर अभियोजन या मुकदमे की संभावना बहुत कम हो गई है। विश्लेषकों का कहना है

कि यह संवैधानिक बदलाव पाकिस्तान में सेना की प्रभुता को और मजबूत करेगा, और तानाशाही प्रवृत्ति को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस तरह, आम आर्मी चीफ से निकलकर, असीम मुनीर पाक की सेना, नौसेना, वायुसेना और रणनीतिक कमांड — सबके "सुपर कमांडर" बन गए हैं।



नंदिग्राम टाइम्स



Thu 4th, December 2025 | ● वर्ष - 9 | ● अंक 218 | ● पृष्ठ ०4 | ● RNI-MAHHIN/2016/69743 | ● www.nandigramtimes.com



ठाकरे सेना ने निर्वाचन आयोग से की माँग: संतोष बांगर की विधायक-पद रद्द होनी चाहिए

हिंगोली नगरपरिषद चुनाव के दौरान, शिवसेना के विधायक संतोष बांगर पर मतदान केंद्र में मोबाइल ले जाकर मतदाताओं को मतदान चिन्ह दिखाकर मतदान के दौरान दिशा-निर्देश देने व नारे लगाने का आरोप है, जिससे “मतदान गोपनीयता” का उल्लंघन हुआ।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में दिख रहा है कि बांगर एक महिला मतदाता को विशेष चिन्ह पर वोट डालने के लिए कह रहे थे। यह कृत्य मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट व चुनाव नियमों दोनों के उल्लंघन में आता है। इस घटना के बाद हिंगोली शहर पुलिस में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत स्थानीय शिक्षिका द्वारा की गई, जो मतदान केंद्र पर तैनात थी।

ठाकरे सेना का रुख — “विधायक पद रद्द हो”
ठाकरे सेना के जिल्हाप्रमुख संदेश देशमुख ने चुनाव आयोग से

आग्रह किया है कि अगर आयोग ज़िदा है, तो संतोष बांगर की विधायक-पद तुरंत रद्द की जाए। उन्होंने आरोप लगाया है कि बांगर ने केवल मतदान गोपनीयता ही नहीं, बल्कि आचार-संहिता का भी उल्लंघन किया है।

देशमुख ने यह भी कहा कि मतदान केंद्र पर मौजूद अधिकारी तथा पुलिस कर्मियों को भी निलंबित करना चाहिए, क्योंकि इस तरह का उल्लंघन न केवल एक व्यक्ति का, बल्कि पूरे चुनाव प्रक्रिया का अपमान है।

मतदान गोपनीयता का उल्लंघन — लोकतंत्र पर सवाल विशेषज्ञों व विपक्षी दलों ने इस घटना को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए खतरा बताया है। मतदान गोपनीयता — जिसे चुनाव का आधार माना जाता है — का उल्लंघन न केवल मतदान की निष्पक्षता को प्रभावित करता है, बल्कि मतदाताओं और लोकतंत्र दोनों के प्रति अविश्वास को जन्म देता है।

CRIME NEWS | नांदेड़ हत्या काण्ड

नांदेड़ प्रेमकांड पर प्रकाश आंबेडकर की कड़ी प्रतिक्रिया; मृत प्रेमी से विवाह करने वाली आंचल की सराहना

नांदेड़ | नांदेड़ में आंतरजातीय प्रेमप्रकरण से उपजे सक्षम ताटे हत्याकांड ने पूरे महाराष्ट्र को झकझोरकर रख दिया है। अपने प्रेमी की हत्या के बाद युवती आंचल द्वारा उसके मृत शरीर से विवाह करने की घटना राज्यभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। इस मामले पर अब वंचित बहुजन आघाड़ी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर और रिपब्लिकन सेना के अध्यक्ष आनंदराज आंबेडकर ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

प्रकाश आंबेडकर बोले — “यह जातीय द्वेष की क्रूर पराकाष्ठा”

सोशल मीडिया के माध्यम से प्रतिक्रिया देते हुए प्रकाश आंबेडकर ने कहा कि “सक्षम ताटे एक बौद्ध युवक था, जिसे जातीय विद्वेष के कारण अमानवीय तरीके से मौत के घाट उतारा गया।” उन्होंने आरोप लगाया कि युवती के परिवार ने सिर्फ जाति के नाम पर प्रेम संबंधों का विरोध किया और उसी नफरत से युवक की हत्या कर दी।

नांदेड़ हत्याकांड पर कड़ी प्रतिक्रिया



मृत प्रेमी से विवाह करने वाली आंचल की सराहना

आंबेडकर ने युवती द्वारा मृतदेह से विवाह करने के निर्णय की सराहना करते हुए कहा—“इस प्रकरण में युवती ने जो साहस दिखाया है, हम उसका समर्थन करते हैं। हम पीड़ित परिवार और उस बहादुर लड़की के साथ मजबूती से खड़े हैं।”

आनंदराज आंबेडकर भी हुए आक्रोशित

रिपब्लिकन सेना अध्यक्ष आनंदराज आंबेडकर ने घटना को “दिल दहला देने वाली” बताते हुए कहा—“सक्षम जैसे निर्दोष युवक की सिर्फ जाति के कारण हत्या कर दी गई। उसका भविष्य, उसका परिवार—सब कुछ कुछ ही पलों में उजड़ गया।”

उन्होंने आंचल की हिम्मत की तारीफ करते हुए कहा—“मृत प्रेमी से विवाह करना उसकी पीड़ा, प्रेम और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का जीवंत प्रतीक है। आरोपी परिवार को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।”

समुदाय का समर्थन, न्याय की मांग तेज दोनों आंबेडकर नेताओं ने साफ किया कि वे पीड़ित युवती और सक्षम के परिवार को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखेंगे। सक्षम ताटे की हत्या और आंचल के फैसले ने महाराष्ट्र में जातीय हिंसा, प्रेम और सामाजिक दबाव पर फिर से गंभीर बहस छेड़ दी है।



५ दिसंबरला राज्यातील शाळा सुरूच राहणार!

● 5 दिसंबर को महाराष्ट्र में सभी स्कूलें सामान्य रूप से चालू रहेंगी।
मुख्याध्यापक महामंडल द्वारा घोषित किए गए राज्यव्यापी स्कूल बंद आंदोलन को शिक्षा विभाग ने स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है।

ताज़ा ख़बर | 5 दिसंबर को सभी स्कूल खुले रहेंगे आंदोलन पर शिक्षा विभाग सख़्त, बंद रखने पर वेतन कटौती का आदेश

छात्रों के शैक्षणिक नुकसान को देखते हुए शिक्षण संचालनालय ने स्कूल बंद न करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं।

शिक्षा विभाग ने चेतावनी दी है कि स्कूल बंद रखने वाले मुख्याध्यापक, शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों पर शिस्तभंग की कार्रवाई की जाएगी, जिसमें एक दिन के वेतन की कटौती भी शामिल है। यह आदेश महाराष्ट्र के सभी जिलों के शिक्षा अधिकारियों को भेजा गया है।

● आंदोलन क्यों?
महाराष्ट्र राज्य मुख्याध्यापक महामंडल ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 5 दिसंबर 2025 को राज्यव्यापी बंद की घोषणा की थी। पुणे में हुई

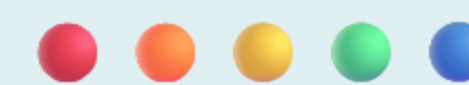
बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि सभी स्कूल एक दिन बंद रखे जाएंगे और हर जिले में जिलाधिकारी कार्यालय पर मोर्चे निकाले जाएंगे।

यह जानकारी शिक्षा विभाग को विभिन्न समाचार रिपोर्टों, शिक्षण संस्था महामंडल के निवेदनों तथा 1 दिसंबर को भेजे गए पत्रों के आधार पर मिली। आंदोलन में सरकारी अनुदानित, आंशिक अनुदानित और गैर-अनुदानित स्कूलों के शिक्षक, मुख्याध्यापक तथा शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल होने वाले थे।

● शिक्षण संचालक डॉ. महेश पालकर ने क्या कहा?
“सभी शिक्षक छात्रों का हित प्राथमिकता पर

रखें। किसी भी स्थिति में स्कूल बंद न हों। बंद रखने वालों पर विभागीय कार्रवाई अनिवार्य है।”
— डॉ. महेश पालकर, शिक्षण संचालक (माध्यमिक व उच्च माध्यमिक), महाराष्ट्र राज्य

● अधिकारियों को विशेष निर्देश शिक्षण संचालनालय ने विभागीय सहसंचालक व जिला शिक्षा अधिकारियों को आदेश दिया है कि:
● 5 दिसंबर को कोई भी स्कूल बंद न मिले।
● नियम का उल्लंघन करने वालों पर तुरंत शिस्तभंग की कार्रवाई की जाए। यह आदेश हर स्कूल तक पहुंचाया जाए और पालन सुनिश्चित किया जाए।



बोगस IAS कल्पना भागवत ने सांसद नागेश आष्टीकर को भी ठगा; पाकिस्तान-अफगानिस्तान कनेक्शन उजागर

पाकिस्तान-अफगानिस्तान कनेक्शन उजागर

छत्रपती संभाजीनगर | संवाददाता

छत्रपति संभाजीनगर के एक लज्जरी होटल में छह महीने से फर्जी दस्तावेजों पर रह रही कल्पना भागवत को पुलिस ने गिरफ्तार किया। जांच में खुलासा हुआ कि उसने शिवसेना (ठाकरे गुट) के सांसद नागेश पाटील आष्टीकर से ₹1.45 लाख ठगे। महिला ने कभी मंदिर, कभी अस्पताल के नाम पर मदद मांगी थी।

पुलिस को उसके पाकिस्तान और अफगानिस्तान से संपर्क, चैट और दस्तावेज़ मिले। कल्पना ने अपने अफगानी मित्र अशरफ के जरिए ₹3 लाख हवाला से पाकिस्तान भेजे थे। पुलिस के अनुसार उसके खातों में कुल ₹32.68 लाख जमा हुए हैं।

अफगानी युवक अशरफ सहित कई सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में केंद्रीय एजेंसियां भी सक्रिय हैं।

नांदेड़ में मेडिकल ऑफिसर पर छेड़छाड़ का आरोप, परिजनों ने अस्पताल में घुसकर की पिटाई



नांदेड़, संवाददाता
कौठा परिसर स्थित नगरपालिका अस्पताल में मंगलवार को एक महिला कर्मचारी के छेड़छाड़ के आरोप के बाद मेडिकल ऑफिसर की परिजनों द्वारा की गई पिटाई का मामला प्रकाश में आया है। घटना का वीडियो

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सूत्रों के अनुसार, महिला कर्मचारी ने आरोप लगाया कि कार्यालय में कार्यरत मेडिकल ऑफिसर डॉ. बालाप्रसाद कुंटूरकर ने उसके साथ छेड़छाड़ की। आरोप लगते ही महिला के परिजन अस्पताल पहुंचे और डॉक्टर से सवाल-जवाब के दौरान माहौल गरमाता गया। इस प्रकरण में अब तक पुलिस में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। हालांकि वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन दोनों की भूमिका पर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को नजरें टिकी हैं।

घटना के दौरान मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरा घटनाक्रम मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो आगे चलकर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि एक युवक डॉक्टर को थप्पड़ मारता है, जिसके बाद अन्य लोग भी हमले में शामिल हो जाते हैं।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, यह मामला फिलहाल चर्चा का में कोई औपचारिक शिकायत विषय बना हुआ है और दर्ज नहीं कराई गई है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन व पुलिस वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन दोनों की भूमिका पर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को नजरें टिकी हैं।

लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। अस्पताल कर्मचारियों ने बताया कि ऐसी घटनाएं चिकित्सा सेवा और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। स्थानीय नागरिकों ने भी अस्पताल में बढ़ती असुरक्षा पर चिंता व्यक्त की है और प्रशासन से घटना की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।